नवभारत
भोपाल, मंगलवार 7 जुलाई, 2026

मंदिर में चोरियों पर पुलिस की पकड़ ढीली

खास बातें

- आधा दर्जन वारदातों का अब तक नहीं खुला राज
- हनुमान और राम-जानकी मंदिरों से चांदी के मुकुट, छत्र, आभूषण और नकदी चोरी
- अधिकांश घटनाएं ग्यारसपुर थाना क्षेत्र में

नवभारत न्यूज

विदिशा 6 जुलाई, देशभर में मंदिरों में चोरी की घटनाओं को लेकर बहस के बीच विदिशा जिले में भी मंदिरों को निशाना बनाने वाले चोर लगातार सक्रिय रहे हैं. बीते कुछ महीनों में जिले के विभिन्न मंदिरों में करीब आधा दर्जन चोरी की वारदातें सामने आई, लेकिन अधिकांश मामलों में पुलिस अब तक आरोपियों तक नहीं पहुंच सकी है.

खास बात यह है कि अधिकतर घटनाएं ग्यारसपुर थाना क्षेत्र में हुई हैं, जबकि जिले के प्रसिद्ध रंगई हनुमान मंदिर में लाखों रुपये की नकदी और भगवान के आभूषण चोरी होने का मामला भी अब तक अनसुलझा है. ग्रामीण क्षेत्रों के हनुमान और राम-जानकी मंदिरों से चांदी के मुकुट, छत्र और अन्य आभूषण चोरी होने की घटनाओं ने श्रद्धालुओं में चिंता बढ़ा दी है. स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार हो रही वारदातों के बावजूद चोर पुलिस की पकड़ से बाहर हैं. पुलिस का हर बार यही जवाब सामने आता है कि मामले की जांच जारी है और कुछ अहम सुराग मिले हैं, लेकिन अब तक किसी बड़े मामले का खुलासा नहीं हो पाया है.

शुरुआती तेजी के बाद धीमी पड़ी जांच

रंगई हनुमान मंदिर चोरी के बाद पुलिस ने शुरुआत में विशेष टीम गठित कर जांच तेज की थी और दोनों थाना क्षेत्रों के पुलिस बल को लगाया गया था. हालांकि समय बीतने के साथ जांच की रफ्तार धीमी पड़ गई और मामला ठंडा होता नजर आने लगा. इसी तरह ग्यारसपुर क्षेत्र की अन्य मंदिर चोरियों में भी अब तक कोई ठोस सफलता सामने नहीं आई है. यही हाल अन्य मंदिरों में हुई चोरियों का भी मंदिरों में चोरी होती है तो स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचती है. एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंचती है. लेकिन कुछ दिनों बाद जांच ठंडी हो जाती है.

लगातार हुईं ये प्रमुख वारदातें

दियाखेड़ी (कंजेला पंचायत) करीब चार-पांच दिन पहले हनुमान मंदिर से लगभग 400 ग्राम चांदी का मुकुट चोरी हो गया. मामले का अब तक कोई खुलासा नहीं हुआ.**बरखेड़ी (सियासी पंचायत)** हनुमान मंदिर से चांदी का मुकुट और नकदी चोरी कर ली गई. पुलिस ने मामला दर्ज किया, लेकिन आरोपी अब भी फरार हैं.**रामनगर**- हनुमान मंदिर को निशाना बनाकर चोर चांदी का मुकुट ले गए. इस घटना का भी अभी तक कोई सुराग नहीं मिला.सीहोद- नौलास रोड स्थित हनुमान मंदिर से करीब आठ माह पहले चांदी का छत्र चोरी हुआ था. यह मामला भी अब तक अनसुलझा है.**घटेरा**- यहां के मंदिर से भी अज्ञात चोर चांदी का मुकुट चोरी कर ले गए थे. लंबे समय बाद भी आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं.

'गई हनुमान मंदिर, विदिशा जिले की सबसे बड़े मंदिर में शामिल है इस मंदिर से चोरी में लाखों रुपये की नकदी और भगवान के सोने-चांदी के आभूषण चोरी हुए थे. मंदिर में सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद पुलिस अभी तक आरोपियों का पता नहीं लगा सकी है.

पुलिस का दावा

ग्यारसपुर थाना प्रभारी का कहना है कि मंदिरों में हुई चोरी की घटनाओं में पुलिस को कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं. उन पर गंभीरता से काम किया जा रहा है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर मामलों का खुलासा किया जाएगा। हालांकि लगातार लंबित मामलों को देखते हुए ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठ रहे हैं.

भारतीय किसान संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

- किसानों की समस्याओं के समाधान पर दो घंटे चली बैठक
- बिजली, खाद-बीज, सीमांकन, अतिक्रमण और बेसहारा मवेशियों सहित विभिन्न मुद्दों पर प्रशासन ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

नवभारत न्यूज

विदिशा 6 जुलाई. किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्ट्रेट के बेतवा सभा कक्ष में भारतीय किसान संघ और जिला प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने की, जो लगभग दो घंटे तक चली. इसमें किसान कल्याण एवं कृषि विकास, विद्युत, जल संसाधन, जिला सहकारी बैंक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया.

भारतीय किसान संघ के जिला मीडिया प्रभारी दीपक शर्मा ने बताया कि प्रशासन के साथ किसानों के मुद्दों पर यह दूसरी समन्वय बैठक थी. बैठक में संघ के प्रतिनिधियों ने तहसीलवार किसानों की समस्याओं को विस्तार से रखा, जबकि जिला अध्यक्ष प्रशांत जैन ने जिले की सामूहिक समस्याओं से प्रशासन को अवगत कराया.किसान संघ ने सीमांकन जरीब (चेन) से कराए जाने की मांग उठाते हुए कहा कि सेटेलाइट रोवर मशीन से सीमांकन में कई स्थानों पर नालों, नदियों और दूसरे गांवों की सीमाओं तक नपती पहुंच रही है, जिससे किसानों के बीच विवाद और झगड़े की स्थिति बन रही है.बैठक में किसानों को दिन में 12 घंटे गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने, खेतों में झूल रहे बिजली के तारों को व्यवस्थित करने, ई-टोकन आधारित उर्वरक वितरण प्रणाली की तकनीकी समस्याओं को दूर करने, बीज अनुदान समय पर उपलब्ध कराने तथा जिला सहकारी बैंक में खाद वितरण से जुड़ी परेशानियों के समाधान की मांग भी रखी गई.इसके अलावा शासकीय रास्तों से अतिक्रमण हटाने, बेसहारा मवेशियों को गौशालाओं में भेजने तथा फसलों को नुकसान से बचाने के लिए प्रभावी व्यवस्था करने की मांग भी की गई.कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने किसान संघ द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और सभी विभाग समन्वय के साथ समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें.

बैठक में भारतीय किसान संघ के प्रांत मंत्री दिनेश बाबूजी दुबे, प्रांत प्रचार-प्रसार प्रमुख एवं जिला प्रभारी राहुल धूत, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य पूरन सिंह यादव, जिला अध्यक्ष प्रशांत जैन, जिला मंत्री महेंद्र सिंह रघुवंशी, जिला महिला संयोजिका मिथलेश अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष दीपक धाकड़ एवं ललित पंथी, जिला कोषाध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव, जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख दीपक शर्मा सहित जिले की सभी 11 तहसीलों के अध्यक्ष, मंत्री एवं बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे. बैठक के अंत में जिला अध्यक्ष प्रशांत जैन एवं जिला मंत्री महेंद्र सिंह रघुवंशी ने किसानों की विभिन्न मांगों का ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा.

नलकूप खनन योजना से बदली महिला किसान की तस्वीर

नवभारत न्यूज

विदिशा. मध्यप्रदेश शासन की राज्य पोषित नलकूप खनन योजना जिले के किसानों के लिए लाभकारी साबित हो रही है. योजना के तहत विकासखंड नटेरन की कृषक श्रीमती तुरसाबाई करणसिंह कोरी को सिंचाई का स्थायी साधन मिलने से खेती की तस्वीर बदल गई है. अब उनकी फसल का उत्पादन बढ़ा है और परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है.श्रीमती तुरसाबाई ने बताया कि पहले उनके खेत में सिंचाई की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं थी. वर्षा आधारित खेती होने के कारण रबी सीजन में पानी की कमी से फसल उत्पादन प्रभावित होता था और कई बार आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता था. सीमित संसाधनों के कारण खेती से अपेक्षित आय नहीं मिलती थी.

बच्चों में लिवर और आंत की बीमारियां बन रहीं बड़ी चुनौती

- शिशु रोग विशेषज्ञों ने गट एवं लिवर रोगों के निदान और उपचार पर किया मंथन

नवभारत न्यूज

विदिशा. इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) के नेशनल प्रेसिडेंशियल एक्शन प्लान के अंतर्गत राष्ट्रीय अध्यक्ष नीलम मोहन की अनुशंसा पर होटल एनराइज सयाजी में गट एंड लिवर कैलीडोस्कोप विषय पर विशेष कार्यशाला आयोजित की गई. इसमें विदिशा एवं आसपास के शिशु रोग विशेषज्ञों और आईएपी सदस्यों ने भाग लिया.

कार्यशाला का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ. इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नीलम मोहन का संदेश भी प्रसारित किया गया.कार्यशाला में झांसी मेडिकल कॉलेज के शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ. घनश्याम चौधरी ने नवजात एवं बच्चों में जिद्दी पीलिया तथा ट्रॉपिकल बीमारियों में लिवर की स्थिति पर जानकारी दी. वहीं मिरैकल हॉस्पिटल, भोपाल के संचालक डॉ. राकेश मिश्रा ने लिवर संक्रमण एवं लिवर फंक्शन टेस्ट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला. गांधी मेडिकल कॉलेज के शिशु रोग विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजेश टिक्कस ने बच्चों में कब्ज की समस्या तथा समुचित विकास के लिए आवश्यक पोषण पर विस्तृत जानकारी दी.मध्य प्रदेश आईएपी की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं मेडिकल कॉलेज विदिशा की विभागाध्यक्ष डॉ. नीति अग्रवाल ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि आईएपी विदिशा का संकल्प है कि महानगरों में उपलब्ध नवीनतम चिकित्सा ज्ञान प्रत्येक शिशु रोग विशेषज्ञ तक पहुंचे. उन्होंने इस कार्यशाला को उसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया.आईएपी विदिशा के अध्यक्ष डॉ. एम.के. जैन ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों में पेट दर्द, बार-बार दस्त, कब्ज, जिद्दी पीलिया और बढ़े हुए लिवर एंजाइम जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं. उन्होंने कहा कि स्वस्थ आंत और स्वस्थ लिवर, स्वस्थ बच्चे की पहचान हैं. गट और लिवर एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, इसलिए दोनों अंगों की बीमारियों को समग्र रूप से समझना और उनका उपचार करना समय की आवश्यकता है.आईएपी विदिशा के सचिव डॉ. सुरेंद्र सोनकर ने सभी विशेषज्ञों, आयोजन समिति, आईएपी सदस्यों तथा विन मेडिकेयर फार्मा के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया. कार्यशाला के समापन पर आईएपी के कोषाध्यक्ष डॉ. दीपक उइके के मार्गदर्शन में अतिथि वक्ताओं को स्मृति चिह्न भेंट किए गए तथा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए.कार्यशाला के सफल आयोजन में डॉ. आकाश जैन, डॉ. शरद गेडाम, डॉ. कौस्तुभ पांडे, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. सुरेंद्र निराले एवं डॉ. कुहू का विशेष सहयोग रहा.

नव नियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी एन .के . अहिरवार का अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने किया स्वागत

नवभारत न्यूज

विदिशा. जिले के नव नियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी एन.के. अहिरवार का अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया. इस अवसर पर मोर्चा के पदाधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं मिठाई खिलाकर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं.संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष पृथ्वी सिंह रघुवंशी ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी के रूप में एन.के. अहिरवार के अनुभव का लाभ जिले की शिक्षा व्यवस्था को मिलेगा. पदाधिकारियों ने उनके सफल कार्यकाल की कामना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक कार्यों की अपेक्षा व्यक्त की.इस अवसर पर नवल रघुवंशी, कृष्ण गोपाल राय, केशव रघुवंशी, चंद्रभूषण किरार, अमर सिंह तोमर, विनय सक्सेना, एल.एस. अहिरवार सहित अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे. सभी ने नव नियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं.

प्रेरणा मंच की साहित्यिक गोष्ठी में कविता, संस्मरण और समसामयिक विषयों पर हुआ मंथन

नवभारत न्यूज

विदिशा. प्रेरणा मंच की साहित्यिक गोष्ठी श्रीमती रेखा वर्मा के निवास निरंजन विला में आयोजित हुई. गोष्ठी का शुभारंभ समसामयिक सामाजिक एवं साहित्यिक विषयों पर विचार-विमर्श के साथ हुआ, जिसमें साहित्यकारों ने अपनी कविताओं, गीतों और संस्मरणों के माध्यम से विभिन्न विषयों पर विचार व्यक्त किए.

मुख्य वक्ता डॉ. कमल चतुर्वेदी ने कहा कि विचारों का संघर्ष निरंतर चलता रहता है और भावनात्मक अनुभूतियां ही स्मृतियों के माध्यम से साकार होती हैं. उन्होंने अपनी कविता स्मृतियों की गठरी थामे हम कितने दर्द उठा लाए का पाठ कर श्रोताओं को भावुक कर दिया.डॉ. नीरज कनौजिया ने बारिश की प्रथम बूंद कविता सुनाकर वर्षा ऋतु की सुंदर अनुभूति कराई. संतोष नामदेव ने बेटी की वेदना कविता के माध्यम से समाज की विसंगतियों और कटु यथार्थ को सामने रखा. कुसुम सिंह तोमर की सत्य की विजय तथा छाया नामदेव की पानी की बूंद का संदेश कविता ने सकारात्मक संदेश दिया.नवनीता पाण्डेय ने अपने संस्मरण धार्मिक नगरी चढ़ते नशीले रंग के माध्यम से धार्मिक स्थलों की बदलती तस्वीर पर चिंता जताई. ज्योति जाधव ने जाने कैसा लगता है, मन की बातें करना कविता से मानवीय संवेदनाओं को स्वर दिया, जबकि मेजबान रेखा वर्मा ने घनन-घनन बदरा घिर आए कविता से वर्षा ऋतु का सजीव चित्रण प्रस्तुत किया.स्मिता तिवारी ने सिक्किम यात्रा के अनुभव साझा किए, वहीं प्रदीप जैन पारस ने मुक्तकों और गीत तुम बिन जीवन कैसे बीता की प्रस्तुति से गोष्ठी को संगीतमय बना दिया. अंत में पारुल सक्सेना ने सभी साहित्यकारों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया. गोष्ठी का समापन साहित्य, संवेदना और रचनात्मक संवाद के सकारात्मक संदेश के साथ हुआ.

प्रशिक्षण | इफको के प्रशिक्षण कार्यक्रम में रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटाने और नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने पर जोर

सहकारिता सप्ताह में कृषि अधिकारियों को नैनो उर्वरकों के वैज्ञानिक उपयोग का दिया प्रशिक्षण

नवभारत न्यूज

विदिशा. सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत इफको द्वारा कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इफको के राज्य प्रबंधक डॉ. डी.के. सोलंकी रहे. इसमें कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया.

डॉ. सोलंकी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों पर बढ़ती निर्भरता देश के लिए बड़ी चुनौती है. उन्होंने बताया कि नैनो उर्वरक इसका प्रभावी विकल्प हैं और विभिन्न वैज्ञानिक शोधों में उनकी उपयोगिता प्रमाणित हो चुकी है. उन्होंने कहा कि नैनो यूरिया के समुचित उपयोग से रासायनिक यूरिया की खपत लगभग 50 प्रतिशत तक कम की जा सकती है. इसके लिए किसानों को नैनो उर्वरकों के सही उपयोग की जानकारी देना आवश्यक है.

उप संचालक कृषि सचिन जैन ने अधिकारियों से नई कृषि तकनीकों को अपनाकर किसानों तक पहुंचाने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि किसानों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए सभी को समर्पित भाव से कार्य करना होगा.इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक कुमार मनेन्द्र ने रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नैनो यूरिया प्लस, नैनो डीएपी, नैनो जिंक, नैनो कॉपर और नैनो एनपीके के वैज्ञानिक उपयोग एवं लाभ बताए. उन्होंने किसानों को सरल भाषा में तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया.कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा कृषि विभाग के सहयोग से किसानों के बीच नैनो उर्वरकों के प्रचार-प्रसार और फसल प्रदर्शन आयोजित करने का निर्णय लिया गया.